कोंकण रेलवे में ट्रेनिंग

कोंकण रेलवे का एक पूर्ण प्रशिक्षण विभाग है जो निगम के दृष्टिकोण और मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण प्रदान करता है।

शुरुआती दिन

1998 में कोंकण रेलवे में प्रशिक्षण गतिविधियां शुरू की गई थीं जब गाड़ी संचालन चरण रेलवे मार्ग पर शुरू हुआ था और कर्मचारियों को संचालन में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता थी। ये वो कर्मचारी थे जिन्होंने निर्माण चरण के दौरान विभिन्न तकनीकी भूमिकाओं में काम किया था और यातायात के लिए रेलवे लाइन के उद्घाटन के बाद अधिशेष बन गए थे। ऐसे अधिशेष कर्मचारियों के पुनर्वास और पुन: संलग्न करने की अपनी ज़िम्मेदारी के तहत, निगम ने विभिन्न विभागों में विभिन्न प्रशासनिक और तकनीकी पदों का चयन करने के लिए कर्मचारियों को एक अवसर प्रदान किया और उन्हें नौकरी की भूमिका आवश्यकताओं के अनुरूप उनकी पदों के उपयुक्तता के अनुसार इन पदों पर लगाया। प्रशिक्षण विभाग ने इन सभी पुनर्वित्त कर्मचारियों के संरक्षा प्रशिक्षण पर विशिष्ट ध्यान देते हुये प्रशिक्षण देने के साथ शुरुआत की।

गोवा में अकादमी परिसर

प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना कोंकण रेलवे कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान(क्रिस्ट) के नाम से की गई थी। संस्थान का उद्देश्य कर्मचारियों को प्रशिक्षण आंतरिक रूप से प्रदान करना था और निगम की गतिविधियों के बारे में निरंतर , लगातार प्रशिक्षण देना था। आंतरिक संसाधन प्रशिक्षकों से बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण करने में प्रारंभिक सफलता से उत्साहित होकर वर्ष 1999 में इस रेल मार्ग पर भटकल नामक एक अन्य रेलवे स्टेशन के पास एक तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र खोला गया था। यह प्रशिक्षण केंद्र प्रतिमानों से सुसज्जित था।

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

रेलवे बोर्ड - भारत में रेलवे के शीर्ष निकाय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम, अवधि और प्रक्रिया के अनुसार निगम के संरक्षा संवर्ग कर्मचारियों के लिए दोनों प्रशिक्षण केन्द्रों में अनिवार्य संरक्षा पाठ्यक्रम आयोजित किए गए थे।

ये प्रशिक्षण केंद्र प्रशिक्षणार्थियों के उपयोग के लिए इंटरनेट सुविधा के साथ वातानुकूलित कक्षाओं, इंटरैक्टिव प्रोजेक्टर, कंप्यूटर प्रयोगशाला से सज्जित हैं। सभी प्रशिक्षणार्थियों के लिए पुस्तकालय और मनोरंजन

सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गयी हैं। अनुशासन, सकारात्मक सोच, सामुदायिक सेवा और अच्छे नागरिक मूल्यों की भावना पैदा करने के लिए प्रशिक्षणार्थियों को संस्थान परिसर में सफाई, वृक्षारोपण अभियान और बागवानी गतिविधियों में भाग लेने के लिए एक साथ समूहीकृत किया जाता है, साथ ही विभिन्न स्टेशन पर अपनी ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहे रेलवे यात्रियों के बीच विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने के लिए लघु प्रहसन लिखना और खेलना इत्यादि शामिल हैं।

एनजीओ सदस्यों के साथ अकादमी में बागवानी अभियान

स्वच्छता अभियान के दौरान प्रशिक्षणार्थी

कौशल संवर्धन

पिछले डेढ़ दशक में रेलवे मार्ग पर यातायात घनत्व एवं कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि होने से संरक्षा प्रशिक्षण को और आगे बढ़ाने की आवश्यकता हुई। प्रशिक्षण विभाग के पास अब विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों वाले अपने पूर्णकालिक प्रशिक्षक थे जो प्रणाली में तकनीकी और संरक्षा कर्मचारियों को शामिल करने के लिए प्रारंभिक पाठ्यक्रम आयोजित करने में भी सक्षम थे। इसलिए प्रारम्भिक पाठ्यक्रम भी आंतरिक रूप से शुरू किए गए। प्रशिक्षणार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण की सुविधा के लिए एक यातायात प्रतिमान कक्ष बनाया गया था। वर्ष 2011 में, क्रिस्ट को कोंकण रेल अकादमी के रूप में नामकरण किया गया था।

यात्री गाड़ियों की संख्या में वृद्धि के साथ, ग्राहकों की अपेक्षाओं में भी वृद्धि हुई और कर्मचारियों को उनकी कार्य की आवश्यकताओं के अनुसार उन्हें सॉफ्ट कौशल क्षेत्रों में प्रशिक्षित करने की जरूरत महसूस की गयी।

रेलवे सुरक्षा बल के लिए प्रशिक्षण सत्र

प्रशिक्षण विभाग अब विभिन्न प्रकार के कर्मचारियों के लिए केंद्रित सॉफ्ट कौशल प्रशिक्षण की योजना बनाता है, उसे निष्पादित करता है एवं निगम की विजन के साथ इसे संरेखित करने का काम करता है।

अग्रिम पंक्ति के सभी रेलवे कर्मचारी, जिनमें स्टेशन मास्टर, वाणिज्यिक कर्मचारी एवं हाउसकीपिंग कर्मचारी शामिल हैं, जो ग्राहकों के सीधे संपर्क में आते हैं, के लिए लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम चलते रहते हैं। रेलवे सुरक्षा बल (आर पी एफ), जो रेल यात्रियों एवं रेल संपत्ति की सुरक्षा एवं संरक्षा का ध्यान रखने के लिए एक विंग है, के लिए केन्द्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जाते हैं। कोंकण रेलवे मार्ग पर गाड़ियों एवं रेल स्थानकों पर खानपान सेवा से जुड़े कर्मचारियों को आतिथ्य प्रबंधन संस्थानों के माध्यम से विशिष्ट खानपान कौशल के साथ प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। ताकि यात्रियों को बेहतर सेवा प्रदान कर सकें एवं खानपान प्रक्रिया में शामिल स्वच्छता एवं भंडारण के मुद्दों से अवगत रहें।

अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

कंप्यूटर कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लिए निम्नतम स्केल के कर्मचारियों का कंप्यूटर पर छोटे-छोटे कार्यों को करते देखना कोंकण रेलवे पर कोई आश्चर्यजनक बात नहीं है।ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाने का उद्देश्य कर्मचारियों के जुड़ाव में सुधार एवं निगम की अपनी विकास यात्रा में हमराही बनाना है।

कंप्यूटर कौशल कार्यक्रम: आनंदपूर्वक अध्ययन

चूँकि कोंकण रेलवे एक छोटा संगठन है , अतएव एक समय में प्रशिक्षण कक्ष हॉल में बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल नहीं हो सकते। अतः आवश्यक प्रशिक्षण के साथ वृहत पैमाने पर कर्मचारियों को समाविष्ट करने के प्रशिक्षण विभाग ने प्रशिक्षण में नई अवधारणों /प्रारूपोंका सूत्रपात किया है।
प्रशिक्षक समय- समय पर विभिन्न रेल स्थानकों पर जाते हैं एवं कार्यशालाओं एवं सेमिनारों का आयोजन कर दिये गए विषयों पर दो से तीन घंटे तक का प्रशिक्षण देते हैं। मोबाइल के आर ए की अवधारणा के माध्यम से कई संरक्षा एवं गैर संरक्षा प्रशिक्षण विषयों को समाविष्ट किया गया है।स्टेशन के कर्मचारी और आसपास के स्टेशनों के लोग आते हैंऔर संरक्षा नियमों एवं ज्ञान के त्वरित परिमार्जन के लिए ऐसी कार्यशालाओं में भाग लेते हैं। ऐसी कार्यशालाओं में सामान्य विषयों, जैसे- प्राथमिक चिकित्सा, अग्निशमन , स्वस्थ जीवन, तनाव प्रबंधन इत्यादि का समावेश रहता है।

उन

कर्मचारियों के लिए जिनकी नौकरी की भूमिका उन्हें ऐसी कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए समय बिताने की अनुमति नहीं देती है, वहाँ प्रशिक्षकों द्वारा कर्मचारी के कार्यस्थल पर उनके ड्यूटी शिफ्ट के दौरान एक-एक कर प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें कर्मचारी से अनौपचारिक बातचीत के माध्यम से उनके प्रश्नों का उत्तर देने और उनके संदेहों को तत्क्षण दूर किया जाता है। इस प्रशिक्षण प्रारूप को लीप (ज्ञान संवर्धन एवं मूल्यांकन कार्यक्रम) के रूप में जाना जाता है।

डिजिटल केआरए के तहत अधिकारियों को सीखने में आसानी प्रदान करने एवं अपनी सुविधा के अनुसार अपने अध्ययन की योजना बनाने हेतु प्रबंधन, नेतृत्व आदि पर लेख उन्हें भेजे गए हैं, जिन्हें वे पीछे संदर्भ के लिए पढ़ और सहेज सकते हैं।

कोंकण रेलवे के निदेशक (वित्त) द्वारा विभागों के प्रमुखों की कोचिंग

ज्ञान सागर (ई-लर्निंग) नामक एक ऑनलाइन शिक्षण पोर्टल बनाया गया है, जो एक वेब-आधारित टूल है जिनका काम पाठ्यक्रम अध्ययन सामग्री प्रदान एवं प्रबंधित करना, व्यक्तिगत और संगठनात्मक सीखने के लक्ष्यों की पहचान करना ,उनका आकलन करना , उनके प्रगति की निगरानी करना, संबन्धित आंकड़े एकत्र करना, उन्हें प्रस्तुत करना एवं कर्मचारियों के सीखने की प्रक्रिया की निगरानी करना इत्यादि है। ज्ञान सागर (ई-लर्निंग) विषय सामग्री प्रदान करता है, पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम प्रशासन, प्रदर्शन विश्लेषण, निगरानी एवं रिपोर्टिंग के लिए पंजीकरण भी करता है। पाठ्यक्रम सामग्री को पढ़ने / अध्ययन के बाद दिखावटी परीक्षण के लिए प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं मूल्यांकन किया जा सकता है। छात्रों और उनके मूल्यांकन में भाग लेने वाले पाठ्यक्रमों की निगरानी करने के लिए विभिन्न प्रदर्शन रिपोर्ट तैयार की जा सकती हैं। इंट्रानेट, इंटरनेट और मोबाइल / टैबलेट के माध्यम से अधिकृत उपयोगकर्ताओं द्वारा प्रणाली तक पहुंचा जा सकता है।

राष्ट्र निर्माण

कोंकण क्षेत्र के विकास के लिए उत्प्रेरक होने की अपनी प्रतिबद्धता के बाद, कोंकण रेलवे ने स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कई गतिविधियों को पूरा किया है ताकि उन्हें बेहतर रोजगार क्षमता के लिए कौशल तैयार किया जा सके।

कोंकण रेलवे के प्रशिक्षण विभाग द्वारा उच्च विद्यालयों और कॉलेजों के युवाओं को नरम कौशल में प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे नौकरियों के साक्षात्कार का अधिक प्रभावी ढंग से सामना कर सकें। युवाओं को उनके

लिए उपलब्ध आजीविका के विकल्पों पर मार्गदर्शन करने के लिए स्टार्ट-अप और उद्यमिता में प्रशिक्षण दिया जाता है। कई अन्य मृदु कौशल भी शामिल हैं। युवाओं की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, कोंकण रेलवे ने अपने रेलवे मार्ग से जुड़े उडुपी में रामकृष्ण हेगड़े कौशल विकास केंद्र (आरएचएसडीसी) शुरू किया है, जहां ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रो-बोनो आयोजित किए जाते हैं।

युवाओं के लिए मुलायम कौशल में प्रशिक्षण

चूंकि सुरंग कार्य कोंकण रेलवे अभियंताओं की मुख्य ताकत है, अतः उन बाहरी इंजीनियरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जो इस क्षेत्र के अग्रणीयों से सुरंग निर्माण की जटिलताओं को सीखना चाहते हैं। प्रशिक्षण विभाग के तहत जॉर्ज फर्नांडीस इंस्टीट्यूट ऑफ टनलिंग टेक्नोलॉजी (जीएफआईटीटी) केंद्र स्थापित किया गया है। जीएफआईटीटी ,मैसर्स हैगरबैक, हैगरबैक टेस्ट गैलरी, स्विट्ज़रलैंड और आईआईटी, मुंबई के साथ मिलकर सुरंग निर्माण में प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

जम्मू-कश्मीर में चेनाब नदी पुल स्थल में कॉलेज के छात्र

अब निगम युवाओं और उद्योग श्रमिकों को मेकाट्रोनिक्स में प्रशिक्षण देने के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहा है जो वैश्विक स्तर पर उद्योग को कुशल कर्मी प्रदान करेगा।

अच्छी कार्य संस्कृति बढ़ाना

सभी संगठनों में सभी क्षेत्रों में प्रशिक्षण का महत्व पहचाना जाता है। एक केंद्रित, व्यवस्थित ढंग से प्रशिक्षण प्रदान करना न केवल कार्य बल को कौशल प्रदान करता है बल्कि व्यापार की निचली पंक्ति में भी योगदान देता है। कोंकण रेलवे में प्रशिक्षण विभाग न केवल कौशल- वृद्धि बल्कि कर्मचारियों में उत्कृष्टता लाने और संगठन में बेहतर कार्य संस्कृति के लिए कर्मचारियों के जुड़ाव में सुधार लाने के लिए भी तैयार है।

अकादमी में योग सत्र

खेलकूद गतिविधियां